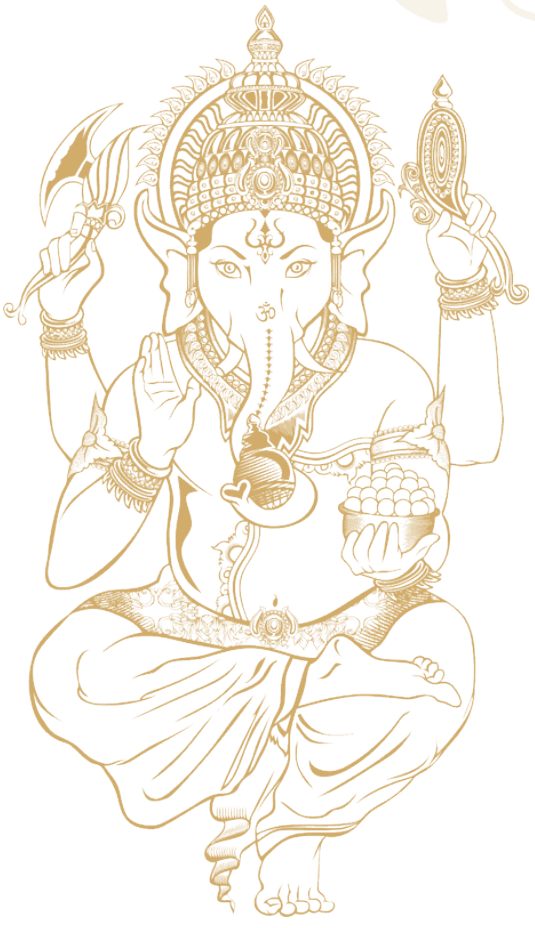

Ashutosh mishra

Ankita tripathi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121026202

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	31/12/1994
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	07:40:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	02:10:43 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Bilaspur
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	22:03:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	-00:01:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	06:40:03
18:00:15	सूर्यास्त	17:28:12
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 7मा 9दि	11:57:44	मेष	लग्न	धनु	29:11:37	बुध 4वर्ष 7मा 23दि
गुरु	01:54:34	कन्या	सूर्य	धनु	15:22:18	शुक्र
29/04/2011	06:57:25	तुला	चंद्र	वृश्चि	26:21:17	24/08/2006
29/04/2027	00:32:07	तुला	मंगल	सिंह	08:49:42	24/08/2026
गुरु 16/06/2013	17:53:31	कन्या	बुध	धनु	25:09:56	शुक्र 24/12/2009
शनि 28/12/2015	24:53:48	कन्या	गुरु	वृश्चि	10:45:30	सूर्य 24/12/2010
बुध 04/04/2018	02:34:51	सिंह	शुक्र	तुला	29:14:25	चन्द्र 24/08/2012
केतु 11/03/2019	01:06:36	कुंभ व	शनि	कुंभ	14:07:30	मंगल 24/10/2013
शुक्र 09/11/2021	11:48:51	वृश्चि व	राहु व	तुला	19:35:50	राहु 24/10/2016
सूर्य 28/08/2022	11:48:51	वृष व	केतु व	मेष	19:35:50	गुरु 25/06/2019
चन्द्र 28/12/2023	24:29:15	धनु व	हर्ष	मक	01:37:47	शनि 24/08/2022
मंगल 03/12/2024	24:38:21	धनु व	नेप	धनु	28:44:37	बुध 24/06/2025
राहु 29/04/2027	29:33:10	तुला	प्लूटो	वृश्चि	05:42:10	केतु 24/08/2026

लग्न-चलित

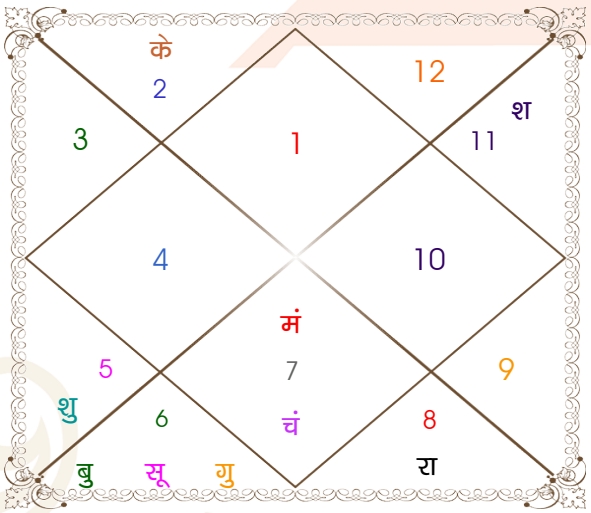

लग्न-चलित

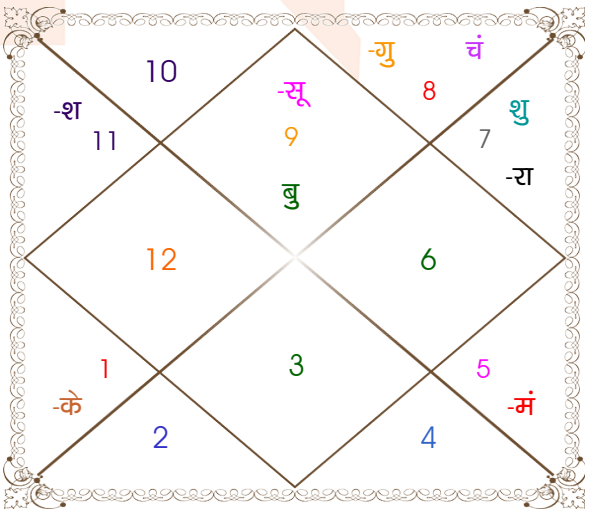

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Ashutosh mishra का वर्ग मृग है तथा ।दापजं जतपचंजीप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashutosh mishra और ।दापजं जतपचंजीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashutosh mishra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ashutosh mishra कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

।दापजं जतपचंजीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दापजं जतपचंजीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashutosh mishra तथा ।दापजं जतपचंजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।